भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2285

दिनांक 12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महाराष्ट्र में कैंसर के बढ़ते मामले

2285. श्रीमती सुप्रिया सुलेः

श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटीलः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाल के वर्षों में महाराष्ट्र में देश में कैंसर के दूसरे सबसे अधिक मामले दर्ज किये गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र के लिए विशिष्ट ब्यौरे सहित कैंसर के नए पंजीकृत मामलों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ग) महाराष्ट्र में कैंसर के बड़े हुए मामलों के लिए सरकार द्वारा चिह्नित कारण और उनका समाधान करने हेतु उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में तृतीयक देखभाल अस्पताल, रेडियोथेरेपी इकाइयों और कैंसर विशेषज्ञों सहित कैंसर देखभाल सुविधाओं की पर्याप्तता का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कोई विशेष कैंसर स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम

(एनपीसीडीसीएस) के अंतर्गत महाराष्ट्र द्वारा आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) - राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण कार्यक्रम (एनसीआरपी) के अनुसार, पिछले तीन वर्षों 2022-2024 के लिए देश में सभी प्रकार के कैंसर मामलों की राज्य और संघ राज्य क्षेत्र वार अनुमानित संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कैंसर के मामलों की संख्या में वृद्धि के कारण- कैंसर का पता लगाने के लिए बेहतर नैदानिक तकनीकों तक पहुँच और उनकी उपलब्धता, अनुमानित जीवनकाल में वृद्धि, वृद्ध आबादी का बढ़ता हिस्सा, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता में बढ़ोतरी और बेहतर स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार हैं। इसके अलावा, कैंसर सहित गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) से जुड़े पारंपरिक जोखिम कारकों जैसे तंबाकू और शराब का सेवन, अपर्याप्त शारीरिक

गतिविधि, अस्वास्थ्यकर आहार, अधिक मात्रा में नमक, चीनी और संतृप्त वसा का सेवन आदि में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

(घ): कैंसर की विशिष्ट परिचर्या सुविधा केंद्रो के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 'विशिष्ट कैंसर परिचर्या सुविधा केंद्रो को सुदृढ करने' की योजना लागू कर रही है। इस योजना के अंतर्गत, देश के विभिन्न हिस्सों में राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और विशिष्ट परिचर्या कैंसर केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान की जाती है। वर्तमान स्थिति के अनुसार महाराष्ट्र में स्थित निम्नलिखित 2 टीसीसीसी और 1 एससीआई सहित 39 संस्थानों (19 एससीआई और 20 टीसीसीसी) को अनुमोदन दिया गया है।

i. राष्ट्रसंत तुकदोजी क्षेत्रीय कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, नागपुर (टीसीसीसी)
ii. विवेकानन्द संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, लातूर (टीसीसीसी)
iii. सरकारी मेडिकल कॉलेज, औरंगाबाद (एससीआई)

इनके अतिरिक्त महाराष्ट्र में निम्नलिखित अस्पताल भी कैंसर का इलाज प्रदान करते हैं:

(i) टाटा मेमोरियल अस्पताल, परेल, मुंबई

(ii) कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र, खारघर, नवी मुंबई

(iii) क्षेत्रीय रेफरल अस्पताल, नासिक

(iv) क्षेत्रीय रेफरल अस्पताल, अमरावती

महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत राज्य में 480 पैनलबद्ध सरकारी और निजी कैंसर अस्पताल कैंसर का इलाज प्रदान कर रहे हैं।

वर्तमान में महाराष्ट्र में 8 डे केयर कीमोथेरेपी केंद्र (डीसीसी) कार्यशील हैं और 26 नए डीसीसी केंद्रों को अनुमोदन दिया गया है।

(ङ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सार्वभौमिक जांच का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एनसीडी के लिए जांच अभियान (20 फरवरी, 2025 से 31 मार्च 2025) प्रारम्भ किया था। यह अभियान राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एएएम और अन्य स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में राष्ट्रव्यापी स्तर पर चलाया गया था।

(च): गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत महाराष्ट्र को आवंटित की गई निधि इस प्रकार है:

(लाख रुपये में)

वित्तीय वर्ष	एसपीआईपी अनुमोदन	व्यय
2022-23	5,311.21	2,018.00
2023-24	5,147.52	1,502.83
2024-25	22,614.03	1,669.74

अनुलग्नक

भारत में सभी प्रकार के कैंसर के मामलों की विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों वार अनुमानित संख्या- **(2022-2024)**

राज्य	**2022**	**2023**	**2024**
जम्मू और कश्मीर **संघ राज्य क्षेत्र**	13395	13744	14112
लद्दाख **संघ राज्य क्षेत्र**	302	309	318
हिमाचल प्रदेश	9164	9373	9566
पंजाब	40435	41337	42288
चंडीगढ़	1088	1120	1152
उत्तरांचल	12065	12348	12642
हरियाणा	30851	31679	32513
दिल्ली	26735	27561	28387
राजस्थान	74725	76655	78604
उत्तर प्रदेश	210958	215931	221000
बिहार	109274	112180	115123
सिक्किम	496	525	561
अरुणाचल प्रदेश	1087	1125	1143
नागालैंड	1854	1890	1935
मणिपुर	2097	2169	2250
मिजोरम	1985	2063	2114
त्रिपुरा	2715	2790	2871
मेघालय	3025	3099	3168
असम	39787	40721	41713
पश्चिम बंगाल	113581	116230	118910
झारखंड	35860	36840	37824
ओडिशा	52960	54136	55335
छत्तीसगढ़	29253	30014	30763
मध्य प्रदेश	81901	84029	86124
गुजरात	73382	75290	77205
दमन	150	161	173
दादरा एवं नगर हवेली	238	252	268
महाराष्ट्र	121717	124584	127512
तेलंगाना	49983	51145	52334
आंध्र प्रदेश	73536	75086	76708
कर्नाटक	90349	92560	94832
गोवा	1700	1735	1783
लक्षद्वीप	28	31	32
केरल	59143	60162	61175
तमिलनाडु	93536	95944	98386
पुडुचेरी	1679	1753	1823
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	393	401	408
कुल	**1461427**	**1496972**	**1533055**

संदर्भ: राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण कार्यक्रम रिपोर्ट, 2020

*****